11881 Written Answers

## Head Post Office Building, Berhampur

**3564.** Shri Mohan Nayak: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the construction of the Head Post Office Building, Berhampur in Orissa is pending since long time;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) how much money is being given towards the rented building per month; and

(d) when the construction of the building will begin?

The Deputy Minister in the Ministry of Transport and Communications (Shri Bhagavati): (a) Yes.

(b) The case could not be progressed as the drawings had to be revised more than once due to various reasons.

(c) Rs. 500.

(d) The construction work will start as soon as the preliminaries relating to preparation of preliminary Estimates, working drawings, detailed estimates and detailed drawings and acceptance of tenders etc. are completed.

## **Allocations for Community Projects**

**3565.** Shrimati Sarojini Mahishi: Will the Minister of Community Development, Panchayati Raj and Cooperation be pleased to state:

(a) what is the proportion of the amount spent out of the allocations for the community projects, on buildings during the Second Five Year Plan period; and

(b) if there is any unutilised grant, the reasons for the same?

The Deputy Minister in the Ministry of Community Development, Panohayati Raj and Cooperation (Shri Shyam Dhar Misra): (a) and (b). The provision for buildings (including Block Office, Dispensary, Schools and Housing) in the Schematic budget of a Stage I Block is Rs. 1:80 lakhs out of a total budget of Rs. 12 lakhs in 5 years. For a Stage II block, it is Rs. 30,000 out of a total of Rs. 5 lakhs.

Figures of actual expenditure on buildings are not separately maintained in the Ministry.

## कोटा में ग्रतिरिक्त माल-डिब्बों की मांग

३४६६. श्री बेरवाः क्या रेलवे मंत्री यह बताने की क्रुपा करेंगे किः

(क) कोटा रेलवे स्टेशन पर कोटा शहर वालों को माल लादने के लिये कितने माल-डिब्से दिये जाते हैं ;

(स) क्या दिये जाने वाले माल डिब्बे काफी हैं;

(ग) यदि नहीं, तो घौर कितने माल डिब्बे बढ़ाने की सम्भावना है घौर वे कब से मिलने लग आवेंगे ;

(घ) क्या वहां कोटा सिस्टम कर दिया गया है जिस से व्यापारियों को टाइम पर माल डिब्बे नहीं मिलते; मौर

(ङ) यदि हां, तो उसको ह्याने के बारे में क्या सोचा गया है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (थी सें० बें० रामस्वामी) : (क) से (ग) माल डिब्बों की उपलब्धि को घ्यान में रखते हुए ग्रौर इस बात को मी कि उच्चतर प्रथमता वाले याता-पात को पहले मेजना है, कोटा जंक्शन पर माल यातायात के लदान को बढ़ाने का पूरा प्रयत्न किया जाता है । जनवरी, १९६२ से मई, १९६२ तक की प्रवधि में बड़ी लाइन के १७२९ माल डिब्बे कोटा जंक्शन पर लादेगये जब कि पिछले वर्ष की इसी मवधि में बड़ी लाइन के १४०१ माल डिब्बे लादे गये पे । यह सप्लाई काफी समझी जाती है क्योंकि ११-१-६२ को कुल १४९ डिब्बों की मांग बाकी यी ।